भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4690

दिनांक 31.03.2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

एसबीएम के अंतर्गत शौचालयों के निर्माण के संबंध में डेटा

4690. श्री एंटो एन्टोनी:
श्री के. मुरलीधरन:
श्री. अधीर रंजन चौधरी:
डॉ. मोहम्मद जावेद:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 2014 से अब तक स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) के अंतर्गत निर्मित शौचालयों की वर्ष-वार संख्या कितनी है;
(ख) क्या सरकार ने उन रिपोर्टों के आलोक में समाधान के लिए कोई कार्रवाई की है जिसमें यह दर्शाया गया है कि आधिकारिक वेबसाइटों पर स्वच्छ भारत मिशन-शहरी और ग्रामीण दोनों के लिए रिपोर्ट किए गए डेटा का तीस प्रतिशत फर्जी है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है;
(घ) क्या सरकार ने उन दावों की जांच की है कि 2014-2020 के बीच निर्मित बारह लाख शौचालय वास्तव में फर्जी है;
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है; और
(च) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं कि फर्जी डेटा नहीं दिया जाए?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति
(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क): स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) [एसबीएम (जी)] के तहत राज्यों द्वारा ऑनलाइन एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईएमआईएस) पर सूचित किए गए डाटा के अनुसार 2014-15 से 11.03 करोड़ व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों (आईएचएचएल) का निर्माण किया गया है। निर्मित आईएचएचएल की वर्ष-वार संख्या नीचे दी गई है:

वर्ष	निर्मित आईएचएचएल की संख्या
2014-15	56,64,911
2015-16	12,2,39,161
2016-17	2,12,57,643
2017-18	2,87,85,907
2018-19	2,36,47,518
2019-20	1,19,47,095
2020-21	47,66,117
2021-22	20,71,793
कुल	**11,03,80,145**

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) [एसबीएम (यू)] के तहत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचएंडयूए) से प्राप्त सूचना के अनुसार 2014-15 से 62,64,914 व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण किया गया है। एसबीएम (यू) के तहत निर्मित शौचालयों के वर्ष-वार ब्यौरे एमओएचएंडयूए द्वारा नहीं रखे जाते हैं।

(ख) से (च): फर्जी डाटा से संबंधित ऐसी कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। शौचालयों की जियो-टैगिंग को अनिवार्य बनाया गया है ताकि फर्जी डाटा आमेलित नहीं किया जा सके।

***